ASSOCIATION OF HEALTHCARE PROVIDERS INDIA

GCCMC
Enabled by Wipro

ए.एच.पी.आई. और
जी.सी.सी.एम.सी.
की संयुक्त सलाह

कोविड–19 महामारी के बाद स्कूलों को फिर से खोलने के लिए दिशा–निर्देश

विषयवस्तु

प्रस्तावना 4

कार्यकारी सारांश 5

परिचय और पृष्ठभूमि 6

स्कूल पुनः खोलने से पहले की तैयारी के लिए सिफारिशें 8

- कोविड से सुरक्षा के लिए स्कूल टास्क फोर्स/समिति का गठन 9
- कोविड से संबधित उपयुक्त सामान्य सुविधा आवश्यकताओं को सुनिश्चित करना 10
- समर्पित अलगाव यूनिट 11
- पैरवी एवं प्रभावी सम्प्रेषण 11
- स्टाफ का प्रशिक्षण 12

दिन–प्रतिदिन का प्रबंधन 13

- सामान्य प्रबंधन 14
- परिसर का प्रबंधन 15
- कक्षाएं 16
- शौचालय 16
- खेल के मैदान 16
- कैफेटेरिया 17
- प्रयोगशालाएं 18
- मिड–डे मील सहित स्कूल में भोजन 18
- सामान्य क्षेत्र 18
- पुस्तकालय 19
- परिवहन सुविधाएं 19

विषयवस्तु

हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) के लिए सिफारिशें 20

माता–पिता 21

छात्र 22

स्कूल प्रशासक 22

शिक्षक 23

गैर–शिक्षण और अन्य स्टाफ (ड्राइवर, चौकीदार, सुरक्षा गार्ड आदि) 24

आगंतुक 24

मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर ध्यान देना 25

बोर्डिंग स्कूलों के लिए अतिरिक्त उपाय 26

विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की सेवा करने वाले स्कूल 27

अनुलग्नक– 28

I. स्कूल प्रशासकों, शिक्षकों और अन्य स्टाफ के लिए जांच–सूची (चेकलिस्ट) 28

II. छात्रों के लिए जांच–सूची 29

III. माता–पिता और समुदायिक सदस्यों के लिए जांच–सूची 30

विशेषज्ञ समिति 31

संदर्भ 34

प्रस्तावना

हमारे देश में 18 महीने से अधिक समय से चल रही कोविड–19 महामारी के अनियंत्रित होने के बाद अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिसका खामियाजा कई क्षेत्रों को भुगतना पड़ रहा है। शिक्षा क्षेत्र ने भी, देश भर में स्कूलों को बंद करने या वर्चुअल लर्निंग (आभासी शिक्षा) के लिए मजबूर होने के साथ बड़े व्यवधान को सहन किया है।

स्कूलों को सुरक्षित रूप से फिर से खोलना एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, क्योंकि बच्चे बाधित शिक्षा और अलगाव से ग्रस्त रहे हैं, विभिन्न प्रकार के तनावों से गुजर रहे हैं, जिनके बारे में उनके पास समुचित साधन नहीं हैं और खराब पोषण स्वास्थ्य (विशेषकर पोषण के लिए स्कूलों पर निर्भर) से पीड़ित रहे हैं। इससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

हमारे देश के बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के साथ–साथ स्कूल में एक सामान्य जीवन की एक झलक प्रदान करने के उद्देश्य से यथार्थवादी, कार्यान्वयन–योग्य और टिकाऊ उपायों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करने के लिए देश भर के सरकारी एवं निजी स्कूलों के शिक्षकों, स्वास्थ्य पेशेवरों (प्रोफेशनल्स) एवं माता–पिता की एक विशेषज्ञ समिति एक साथ आई है। ये सुरक्षा उपाय माता–पिता, शिक्षकों और छात्रों में कुछ भरोसा पैदा करने में मदद करेंगे और उन्हें स्कूल लौटने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

हमें उम्मीद है कि स्कूल इन सिफारिशों को यथासंभव आगे बढ़ाएंगे और अपने छात्रों एवं स्टाफ को सामान्य स्थिति में धीमे–धीमे वापसी शुरू करने के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान करने के लिए सशक्त महसूस करेंगे।

डॉ. एलेक्जेंडर थॉमस
अध्यक्ष
एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स – इंडिया

डॉ शकीला शम्सू
पूर्व ओ.एस.डी., नई शिक्षा नीति
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

कार्यकारी सारांश

भारत में स्कूल कैम्पस (परिसर) कुछ क्षेत्रों में पूरी तरह से बंद होने की लंबी अवधि के बाद फिर से खुल रहे हैं और जहां भी संभव हो, वर्चुअल लर्निंग के पक्ष में हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए स्कूल में शिक्षा के सुरक्षित माहौल के लिए कुछ सिफारिशें पेश करने के लिए शिक्षकों, स्वास्थ्य पेशेवरों और माता–पिता की एक विशेषज्ञ समिति एक साथ आई है। इन सिफारिशों का सारांश नीचे दिया गया हैरू

छात्रों के कैम्पस में आने से पहले स्कूल फिर से अपने को खोलने की तैयारी शुरू कर सकते हैं। कोविड से सुरक्षा के लिए एक स्कूल टास्क फोर्सध समिति को सुरक्षा प्रोटोकॉल की सिफारिश करनी चाहिए और सुरक्षा उपायों की समीक्षा करनी चाहिए। स्कूल फिर से खोलने से एक सप्ताह पहले उनके परिसर में कक्षाओं और अन्य क्षेत्रों में कोविड संबंध ी सुविधा की आवश्यकताएं पूरी की जानी चाहिए। बस ड्राइवरों सहित सभी शिक्षकों, प्रशासकों, स्टाफ एवं अन्य स्कूल कर्मचारियों को पूरी तरह से टीके लगाए जाने चाहिए और कोविड–उपयुक्त व्यवहार के बारे में समुचित रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। छात्रों को मनो–सामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। स्कूल को माता–पिता के साथ स्कूल में किए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल्स एवं रोकथाम–संबंधी उपायों के बारे में खुल कर संवाद करना चाहिए और अपने बच्चों के स्कूल जाने से पहले उनकी सहमति प्राप्त करनी चाहिए।

परिसर (कैम्पस) के प्रबंधन, शौचालय एवं वॉशरूम के उपयोग संबंधी दिशा–निर्देश, खेल के मैदानों, प्रयोगशालाओं, सामान्य क्षेत्रों, कैफेटेरिया के लिए विशिष्ट सुरक्षा प्रोटोकॉल्स एवं मिड डे मिल (मध्याह्न भोजन) और परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था सहित स्कूली जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में दिन–प्रतिदिन के प्रबंधन को लेकर विस्तृत सिफारिशें तैयार की गई हैं।

स्कूल को सुरक्षित रूप से फिर से खोलने में शामिल प्रत्येक हितधारक (स्टेकहोल्डर) के लिए सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं। माता–पिता को चाहिए कि वे बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें और उनके स्वास्थ्य पर निगरानी रखें। छात्रों को हर समय कोविड–उपयुक्त व्यवहार का पालन करना चाहिए। स्कूल प्रशासकों को कोविड से सुरक्षा संबंध ी प्रोटोकॉल्स तैयार करने चाहिए और माता–पिता के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करना चाहिए। शिक्षकों एवं स्कूल के अन्य स्टाफ को पूरी तरह से टीके लगाए जाने चाहिए और कोविड संबंधी प्रोटोकॉल्स (नियम एवं तौर तरीके) सख्ती से लागू करना चाहिए। आगंतुकों को स्कूल परिसर जाने से यथासंभव बचना चाहिए और आवश्यक यात्राओं पर सख्त कोविड–उपयुक्त व्यवहार बनाए रखना चाहिए।

विभिन्न आर्थिक और सामाजिक तनावों के संपर्क में आने वाले कमजोर नाबालिगों को आवश्यक मनो–सामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सिफारिशें प्रदान की गई हैं। बोर्डिंग स्कूलों के लिए छात्रों के साथ रहने के पहलुओं के कारण अतिरिक्त उपाय प्रदान किए गए हैं। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पूर्ति करने वाले स्कूलों के लिए विशिष्ट सिफारिशें दी गई हैं। दस्तावेज के अंत में स्कूल स्टाफ, छात्र–छात्राओं, माता–पिता और सामुदायिक सदस्यों के लिए विशिष्ट दिशा–निर्देशों, एस.ओ. पी. और जांच–सूची के लिंक दिए गए हैं।

परिचय और पृष्ठभूमि

भारत में कोविड–19 का संक्रमण धीरे–धीरे एक स्थानिक रोग (एंडेमिक डिजीज) बनता जा रहा है। इस महामारी ने शिक्षा क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। यूनिसेफ के अनुसार, 2020 में भारत में महामारी के कारण 15 लाख स्कूलों को बंद करने से प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों (यूनिसेफ, 2021) के 247 मिलियन बच्चे प्रभावित हुए।

यूनेस्को ने "बाधित शिक्षा" को दुनिया भर में कोविड–19 स्कूल बंद होने के शीर्ष प्रतिकूल परिणाम के रूप में सूचीबद्ध किया है (यूनेस्को, 2021)। छात्रों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों बुरी तरह प्रभावित हुए हैं (हॉफमैन और मिलर, 2020)। स्कूल बंद होने के दौरान बचपन में मोटापा, मायोपिया और कुछ मानसिक विकारों की घटनाओं में वृद्धि हुई है (जेन्सेन एट अल, 2021; वांग एट अल 2020)।

दुनिया के सबसे बड़े स्कूल फीडिंग कार्यक्रमों में से एक, 'मिड–डे मील प्रोग्राम' के तहत 115.9 मिलियन स्कूल जाने वाले भारतीय बच्चों (एम.डब्ल्यू.सी.डी., 2020) को पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाता है। इस कार्यक्रम ने अप्रत्यक्ष रूप से स्कूल में छात्रों के नामांकन और उपस्थिति की वृद्धि में योगदान दिया। लेकिन महामारी के मद्देनजर स्कूलों और आंगनबाडी केन्द्रों के बंद होने से स्कूल जाने वाले बच्चों के पोषण में उल्लेखनीय कमी आई है।

स्कूल बंद होने से छात्रों का जीवन अस्त–व्यस्त हो गया है, अलगाव से व्याकुलता बढ़ गई है और शारीरिक, बौद्धिक एवं सामाजिक जुड़ाव की हानि से व्यग्रता और भी बढ़ गई है। बाहर खेलने, दोस्तों से मिलने या यहां तक कि कक्षा में रहने में असमर्थता ने प्रेरणा को कम कर दिया है। एक नए माध्यम से शिक्षा, साथियों के साथ भौतिक स्थान साझा करने की अनुपस्थिति और घर की चाहरदीवारी के भीतर रहने से बच्चों के मनो–वैज्ञानिक और शारीरिक तंदुरुस्ती पर दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। स्कूल फिर से खोलने की रणनीति की योजना बनाते समय इन कारकों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। बच्चों और किशोरों के बीच किए गए कुछ अध्ययन उपलब्ध हैं, जिनका निष्कर्ष है कि स्कूल की उपस्थिति का कोविड–19 के संपर्क में आने से सीधा संबंध नहीं है (लीडमैन एट अल, 2020; इस्माइल एट अल, 2021; गांदिनी एट अल, 2021; मोसोंग एट अल, 2020)। यद्यपि टीकाकरण अभियान का उद्देश्य मौजूदा वर्ष समाप्त होने से पहले अधिक से अधिक वयस्कों को टीके लगाना है, लेकिन हमारे देश में अभी तक बच्चों में उपयोग के लिए टीकों को मंजूरी नहीं दी गई है।

इस परिदृश्य में सबसे अच्छा विकल्प यह सुनिश्चित करना है कि हमारे बच्चे पूरी तरह से टीकाकृत व्यक्तियों से घिरे हों।

कई राज्यों ने स्कूलों को फिर से खोलना शुरू कर दिया है, परिणामस्वरूप भौतिक कक्षाओं में लौटने वाले छात्रों की संख्या धीरे–धीरे बढ़ रही है। स्कूल के अधिकारियों को छात्रों और अभिभावकों के बीच भरोसा पैदा करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि स्कूल परिसर में छात्र और कर्मचारी सुरक्षित हैं।

स्कूल पुनः खोलने से पहले की तैयारी के लिए सिफारिशें

एक स्कूल के प्रवेश द्वार पर मास्क पहने एक सुरक्षा गार्ड और एक महिला छात्रों के आने का इंतजार कर रहे हैं।

प्रत्येक स्कूल अलग ढंग का होता है। इस दस्तावेज़ में स्कूलों के सुरक्षित कामकाज के संबंध में व्यापक सुझाव दिए गए हैं; हालांकि स्कूलों को सलाह दी जाती है कि वे विभिन्न पहलों को अपनी आवश्यकताओं के मुताबिक ढालें।

यह तय करते समय कि कौन सी कक्षाएं पहले खोलनी हैं, यह सिफारिश की जाती है कि प्री–स्कूल और प्राथमिक कक्षाओं को प्राथमिकता दी जाए ताकि छोटे बच्चे अपनी शिक्षा एवं विकास को फिर से शुरू कर पाएं क्योंकि माध्यमिक और उच्च विद्यालय समूहों की तुलना में कम आयु समूहों में संचरण दर कम है।

स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से खोलने की सिफारिश की गई है।

कोविड से सुरक्षा के लिए एक स्कूल टास्क फोर्स/ समिति का गठन

- प्रत्येक स्कूल द्वारा छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा के प्रबंधन एवं निगरानी के लिए एक स्कूल टास्क फोर्स/समिति बनाने की जरूरत है।
- समिति का गठन इस प्रकार होना चाहिए :
  - प्रिन्सिपल दृ चेयरपर्सन (प्राचार्य – अध्यक्ष)
  - एक वरिष्ठ शिक्षक, जीव विज्ञान शिक्षक को प्राथमिकता देना
  - प्रत्येक कक्षा का कक्षा शिक्षक
  - कक्षा मॉनीटर/छात्र प्रतिनिधि
  - एक अभिभावक प्रतिनिधि
  - स्कूल का एक गैर–शिक्षण कर्मचारी
  - डॉक्टर
  - शहरी स्थानीय निकाय या स्थानीय पंचायत का एक प्रतिनिधि
- समिति के संदर्भ की सुझाई गई शर्तें:
- स्कूल द्वारा अपनाए गए सुरक्षा उपायों की समीक्षा करना
- कोविड की स्थानीय स्थिति और स्कूल की कोविड स्थिति के आधार पर सुरक्षा प्रोटोकॉल्स की सिफारिश करना
- समिति द्वारा नियमित रूप से और जब भी आवश्यक हो, बैठक आयोजित की जाएगी और सिफारिशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया जाएगा। टास्क फोर्स की गतिविधियों और सिफारिशों को समय–समय पर माता–पिता और अन्य हितधारकों को सूचित किया जाएगा।

कोविड-उपयुक्त सामान्य सुविधा आवश्यकताओं को सुनिश्चित करना

- छात्रों के लौटने से ठीक एक दिन पहले पूरे स्कूल को सिफारिश के मुताबिक कीटाणुनाशकों का उपयोग करके पूरी तरह से सैनिटाइज़ किया जाना चाहिए, जिसमें कक्षाएं, सीढ़ियां, गलियारे, शौचालय (टॉयलेट्स), प्रयोगशालाएं, स्टाफ रूम, कॉमन रूम और खेल के मैदान शामिल हैं।
- स्कूल के सभी उपकरणों को हर समय साफ रखना चाहिए।
- हैंड सैनिटाइज़र उचित स्थानों पर रखा जाए।
- कक्षाओं एवं छात्र और स्टाफ जिन स्थानों पर कार्य के लिए जाते हैं, उन सभी के सैनिटाइजेशन की दैनिक योजना होनी चाहिए।
- प्रवेश द्वार पर तापमान जांच की जाए।
- कक्षा के आकार के आधार पर उपस्थिति तय की जानी चाहिए। किसी भी समय कक्षा में छात्रों की संख्या निर्धारित संख्या से अधिक नहीं होनी चाहिए ताकि पर्याप्त शारीरिक दूरी सुनिश्चित की जा सके।
- छात्र अपनी निर्धारित सीटों का ही प्रयोग करें।
- शारीरिक दूरी बनाए रखने में मदद के लिए बेंच और कुर्सियों पर मार्कर होने चाहिए।
- बच्चों को एक ही समूह (सामाजिक बबल) में रहने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और जहां तक संभव हो, आपस में मिलने से बचना चाहिए।
- छात्रों के परिवहन में शामिल व्यक्तियों सहित स्कूल के सभी कर्मचारियों को पूरी तरह से टीके लगाए जाने चाहिए।
- उपयोग में आने वाली कक्षाओं में, यदि संभव हो, पर्याप्त वेंटिलेशन (हवा की आवाजाही) के लिए बड़ी खुली खिड़कियां होनी चाहिए।
- कक्षाओं में एयर कंडीशनिंग (वातानुकूलन) से बचना चाहिए। यदि एयर कंडीशनिंग की आवश्यकता है तो इनमें एच.ई.पी.ए. फिल्टर्स फिट किए जाने चाहिए या यह सुनिश्चित करने के लिए बदलाव किया जाना चाहिए कि पुनः परिचालित हवा का प्रतिशत कम हो।
- मौसम और अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए, यदि संभव हो तो कुछ कक्षाएं खुली हवा के स्थानों में ली जा सकती हैं।
- जहां भी संभव हो, कक्षाओं में एग्जॉस्ट पंखे होने चाहिए।

समर्पित अलगाव (आइसोलेशन) यूनिट

- स्कूल को कोविड के संदिग्ध रोगियों के लिए एक अलग आइसोलेशन यूनिट की व्यवस्था करनी चाहिए।
- आइसोलेशन रूम में उपस्थित सभी व्यक्तियों को समुचित सावधानी बरतनी चाहिए।
- आइसोलेशन यूनिट में बुनियादी मेडिकल देखभाल की व्यवस्था उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
- आपातकालीन संपर्क नंबर कमरे में प्रदर्शित किए जाने चाहिए।
- कमरे में पर्याप्त आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
- यदि संभव हो तो आपातकालीन स्थानान्तरण के लिए एक निर्दिष्ट स्थान पर ड्राइवर के साथ एक स्कूल वाहन उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
- स्कूल द्वारा छात्रों और कर्मचारियों के कोविड संबंधी स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स रखे जाने चाहिए।
- माता–पिता को तुरंत सूचित किया जाना चाहिए कि क्या उनके बच्चे को कोविड होने का संदेह है।

पैरवी एवं प्रभावी सम्प्रेषण

- माता–पिता को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और स्कूल के अधिकारियों को स्कूल में किए गए रोकथाम संबंधी विभिन्न उपायों से अवगत कराने के लिए माता–पिता के साथ अनेक सत्र आयोजित किए जाने चाहिए।
- स्कूल के अधिकारियों को किसी छात्र को स्कूल आने के लिए कहने से पहले माता–पिता की सहमति लेनी चाहिए।
- स्कूल प्रशासन को कोविड से संबंधित मुद्दों (नवीनतम परामर्श सहित) के संबंध में शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के साथ नियमित रूप से संवाद करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी हितधारकों द्वारा हर समय स्कूल परिसर में समुचित व्यवहार का पालन किया जाता है। यह डिजिटल माध्यमों, पोस्टरों और सार्वजनिक घोषणाओं सहित विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है।

स्टाफ का प्रशिक्षण

- स्कूल के सभी कर्मचारियों के लिए मास्किंग, सामाजिक दूरी, स्वच्छता, खांसी संबंधी तौर तरीकों और कोविड–उपयुक्त व्यवहार सहित रोकथाम संबंधी विभिन्न उपायों के बारे में स्कूल के अधिकारियों को स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ मिल कर नियमित रूप से संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।
- क्रॉस–ट्रांसमिशन (पार–संचरण) को रोकने के लिए संक्रमण नियंत्रण के साथ–साथ डब्ल्यू.ए.एस.एच. (पानी तक पहुंच, स्वच्छता और स्वच्छता) संबंधी रणनीतियों को अपनाया जाना चाहिए।
- हिंसा, डिप्रेशन (अवसाद) और दुश्चिंता दूर करने के उद्देश्य से छात्रों को मनो–वैज्ञानिक एवं सामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए स्टाफ को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।
- स्कूल टास्क फोर्स द्वारा ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता की नियमित रूप से समीक्षा करने और फीडबैक प्रदान करने की जरूरत है।

राजस्थान के ब्यावर के पास एक स्कूल में कोविड–19 पर आयोजित एक बैठक।

दिन–प्रतिदिन का प्रबंधन

कोविड–19 के दौरान एक सुरक्षात्मक सूट में एक सफाई कर्मचारी एक स्कूल में कीटाणुशोधन (डिसइन्फेक्शन) करते हुए।

सामान्य

- सभी शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से स्कूल में रहते हुए तीन परतों वाला मास्क पहनना अनिवार्य है, जब भी आवश्यक हो, इसे बदल देना आवश्यक है।
- शरीर के तापमान के बारे में कर्मचारियों, छात्रों एवं आगंतुकों की दैनिक जांच की जानी चाहिए और बुखार न होने पर भवन में प्रवेश की अनुमति देने से पहले पिछले 24 घंटों के भीतर बुखार या 'बुखार महसूस करने' संबंधी हिस्ट्री (इतिहास) लेनी चाहिए।
- कक्षा के लिए शिक्षकों और छात्रों को पर्याप्त मात्रा में अतिरिक्त मास्क उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
- पांच साल से कम उम्र के बच्चों की सहायता की जानी चाहिए और मास्क का उपयोग करते समय सावधानीपूर्वक देखा जाना (सांस लेने में कठिनाई के लिए) चाहिए।
- स्कूल परिसर के रणनीतिक क्षेत्रों में कोविड–उपयुक्त व्यवहार के बारे में साइनेज लगाए जाने चाहिए।
- लैपटॉप, फोन और अन्य व्यक्तिगत वस्तुओं को साझा करने से बचना चाहिए।
- सभी बेंचों, बैठने की जगहों, स्कूल बसों एवं एम्बुलेंसों को सीमांकित किया जाना चाहिए और प्रयोग करने योग्य और अनुपयोगी भागों को निर्दिष्ट करने के लिए स्पष्ट संकेतों का उपयोग किया जाना चाहिए।
- स्कूल में कोई बड़ी बैठकें या सभाएं नहीं होनी चाहिए।
- रोकथाम, समुचित एवं बार–बार हाथों की स्वच्छता, श्वसन संबंधी स्वच्छता, मास्क के उपयोग, कोविड–19 के लक्षणों और किसी के बीमार पड़ने पर उठाए जाने वाले कदमों पर जोर देने के साथ कोविड–19 के बारे में स्कूल के सभी कर्मचारियों एवं छात्रों को शिक्षित किया जाना आवश्यक है।
- स्कूल परिसर से बाहर निकलते समय छात्रों के एकत्र होने और सामाजिक मेलजोल से बचना चाहिए।
- छात्रों को श्वसन संबंधी स्वच्छता, हाथों की स्वच्छता, स्कूल परिवहन में शारीरिक दूरी के उपायों और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने सहित स्कूल से सुरक्षित रूप से आने–जाने के बारे में टिप्स दिए जाने चाहिए।
- लागू करने के लिए प्रचलित सरकारी दिशा–निर्देशों के अनुसार स्कूल–आधारित कोविड स्क्रीनिंग की एक रणनीति पर विचार किया जाना चाहिए।
- बच्चों को स्कूल में कम से कम सामान, जैसे– स्टेशनरी, कलाई घड़ी, मोबाइल फोन आदि लाना चाहिए और इन व्यक्तिगत वस्तुओं को साझा करने को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। साथ में खाना और खानाध्पानी बांटना भी बंद कर देना चाहिए।

परिसर का प्रबंधन

- सभी क्षेत्रों, विशेष रूप से कार्य क्षेत्रों एवं सामान्य रूप से उपयोग किए जाने वाले अन्य क्षेत्रों की पूरी और गहन सफाई होनी चाहिए।
- एक निगरानी टीम द्वारा साफ–सफाई की जांच के लिए छात्रों और कर्मचारियों द्वारा बार–बार आने–जाने वाले क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए।
- सभी छात्रों को स्कूल से पहले एवं बाद में, खाना खाने से पहले एवं बाद में, शौचालय जाने के बाद और आवश्यकतानुसार अपने हाथों को सैनेटाइज करना चाहिए।
- सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने को सुनिश्चित करने के लिए हॉलवेज एवं कॉरिडोर जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं और स्थानों की निगरानी के लिए शिक्षकों या कर्मचारियों की नियुक्ति की जानी चाहिए।
- यदि संभव हो तो विभिन्न कक्षाओं के छात्रों के प्रवेश और निकास के लिए अलग–अलग समय की योजना बनाई जानी चाहिए।
- अलग–अलग कक्षाओं के लिए स्कूल का छोटा और अलग–अलग समय भीड़भाड़ से बचने में मदद कर सकता है।
- जागरूकता फैलाने के लिए घोषणाओं, स्टैंडीज, पोस्टरों, संदेशों आदि का उपयोग किया जा सकता है।
- जो छात्र स्कूल में मास्क नहीं ले जाते हैं, उन्हें मास्क प्रदान किए जाने चाहिए।
- प्रोटोकॉल्स का पालन सुनिश्चित करने के बाद ही छात्रों को कक्षाओं, खेल के मैदानों, कैफेटेरिया, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों में अनुमति दी जानी चाहिए।
- अवकाश के समय किसी शिक्षक को कक्षा में उपस्थित रहना चाहिए। इस दौरान छात्र अपनी कक्षाओं में बैठे रहें और दोपहर का भोजन समाप्त करना चाहिए। शिक्षक की अनुमति के बिना किसी भी बच्चे को बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- सभी वर्गों के लिए कोई सामान्य अवकाश समय नहीं होना चाहिए। यदि संभव हो तो अलग–अलग समय निर्धारित करना चाहिए।

कक्षाएं

- टेबल के बीच लगभग छह फुट की दूरी पर बने मार्करों के साथ एक नया सीटिंग मैट्रिक्स (बैठने की व्यवस्था) लागू किया जाना चाहिए।
- स्कूल की सभाएं उनकी संबंधित कक्षाओं में आयोजित की जा सकती हैं।
- अलग–अलग समय पर आगमन और विसर्जन की योजनाएं बनाई जानी चाहिए।
- छात्रों को स्थायी सीट दी जानी चाहिए और स्थान बदलने से बचने के लिए सख्त निर्देश दिए जाएं।
- शिक्षकों और छात्रों को कक्षा में प्रवेश करने से पहले अपने हाथों को सैनेटाइज करना चाहिए।

शौचालय

- शौचालयों को राष्ट्रीय दिशा–निर्देशों के अनुसार सोडियम हाइपोक्लोराइट 1 प्रतिशत घोल (एम.ओ.एच.एफ.डब्ल्यू., 2020) का उपयोग करके साफ किया जाना चाहिए।
- छात्रों को शौचालय के अंदर या बाहर भीड़ की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- छात्रों से कहा जाना चाहिए कि वॉशरूम में किसी भी सतह को छूने के बाद अपनी आंख, नाक या मुंह को न छुएं।
- छात्रों को शौचालय का उपयोग करने के बाद साबुन और पानी से हाथ धोना चाहिए।
- स्कूल वाटर पॉइंट में कतार–प्रबंधक नियत किए जा सकते हैं ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र वाटर पॉइंट के आसपास भीड़ न लगाएं।

खेल के मैदान

- संपर्क खेल (कॉन्टेक्ट स्पोर्ट्स), विशेष रूप से वे, जहां खिलाड़ियों के बीच शारीरिक निकटता होती हैं, जैसे– कुश्ती, कबड्डी और बास्केटबॉल में श्वसन स्राव के लिहाज से एक–दूसरे के बेहद करीब हो सकते हैं, दूसरे खेलों की तुलना में कोविड–19 की अधिक जोखिम उठाते हैं और इनसे बचा जाना चाहिए। टेनिस, बेसबॉल, सॉफ्टबॉल एवं सॉकर जैसे ड्रिल अभ्यास और टीम के खेल तुलनात्मक रूप से कम जोखिम पैदा करते हैं क्योंकि खिलाड़ी शारीरिक दूरी बनाए रख सकते हैं और आम तौर पर इन्हें खुले मैदान में पर्याप्त वेंटिलेशन के साथ खेल सकते हैं। योग कक्षाओं की अनुमति दी जा सकती है, यदि संभव हो तो बाहरी खुले मैदानों में।

खेल के मैदान (जारी...)

- प्रत्येक कक्षा से पहले सभी खेल उपकरणों की स्वच्छता एक अनिवार्य पूर्व–आवश्यकता है।
- शारीरिक शिक्षा शिक्षक सोशल डिस्टेंसिंग के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए छात्रों को कक्षा से कक्षा तक ले जाएं। कक्षा मॉनीटर भी सहायता कर सकते हैं।
- छात्रों को किसी भी खेल उपकरण को साझा करने या उधार लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- टीम वर्कआउट या अभ्यास के लिए छोटे छात्र समूह बनाए जाने चाहिए।
- सरकार के निर्देशों के अनुसार स्विमिंग पूल का संचालन फिर से शुरू किया जा सकता है।
- समूह गतिविधियों और टीम के खेल, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.), स्काउट्स एवं गाइड, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक बैठकों आदि को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

कैफेटेरिया

- खाद्य वस्तुओं के परिसेवकों (सर्वर्स) को हेडकवर, मास्क और दस्ताने पहनने चाहिए।
- छात्रों को स्वच्छता के अच्छे तौर तरीकों का पालन करना चाहिए और कैफेटेरिया में गंदी सतहों के संपर्क से बचना चाहिए।
- छात्रों को प्लेट, कटलरी या नैपकिन का उपयोग करने के बाद अपने चेहरे को छूने से बचना चाहिए।
- सोशल डिस्टेंसिंग का सख्ती से पालन किया जाए।
- छात्रों को पेपर नैपकिन को बंद कूड़ेदान में फेंकना चाहिए।
- जहां भी संभव हो, भोजन को कक्षाओं में पहुंचाया जाना चाहिए।
- कैफेटेरिया के मेनू में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए ज्ञात स्वस्थ और पोषक तत्वों को शामिल करना चाहिए।

प्रयोगशालाएं

- प्रयोगशाला के सहायकों द्वारा प्रत्येक कक्षा के बाद टेबल, उपकरण और सामग्री का समुचित रूप से सैनिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- प्रयोगशाला में सभी शिक्षकों, प्रयोगशाला के सहायकों एवं छात्रों द्वारा हाथ के डिस्पोजेबल दस्तानों और एप्रन्स (तहबंद) का उपयोग किया जाना चाहिए।
- प्रत्येक टेबल पर केवल दो छात्रों को अनुमति दी जानी चाहिए, जिसमें आसपास की टेबल से कम से कम 5–6 फुट की दूरी सदैव बनाए रखी जानी चाहिए।

मिड-डे मील सहित स्कूल में भोजन

- छात्र, जहां तक संभव हो, अपना भोजन एवं पानी घर से लाएंगे और इन्हें भोजन एवं पानी साझा करने से बचना चाहिए।
- छात्रों को अपनी कक्षाओं में सुपरविजन (पर्यवेक्षण) के तहत दोपहर का भोजन करना चाहिए। किसी भी छात्र को शिक्षक की अनुमति के बिना कक्षा से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- मिड–डे मील कार्यक्रम यथाशीघ्र बहाल किया जाए।
- भोजन साझा करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

सामान्य क्षेत्र

- गलियारों में आवाजाही प्रतिबंधित होनी चाहिए।
- शिक्षकों को फ्लोर ड्यूटी सौंपी जानी चाहिए।
- छात्रों को समुचित सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखते हुए वैकल्पिक कक्षाओं/प्रयोगशालाओं/खेल के मैदानों में जाते समय एक पंक्ति में चलना चाहिए।
- कक्षा का समय इस तरह से व्यवस्थित किया जाना चाहिए कि भीड़भाड़ से बचा जा सके।

पुस्तकालय

- उच्च कक्षाओं के बच्चे पुस्तकालय का उपयोग कर सकते हैं।
- पुस्तकालय के प्रवेश द्वार पर सैनिटाइजर डिस्पेंसर लगाए जाने चाहिए।
- पुस्तकालय में हर टेबल पर सैनिटाइजर रखा जाए।
- पुस्तकालय से पुस्तकें उधार लेने और उन्हें बाहर ले जाने को हतोत्साहित किया जाना चाहिए; बच्चे पुस्तकालय के भीतर ही किताबें पढ़ सकते हैं।

परिवहन सुविधाएं

- स्कूल परिसर में वाहनों के प्रवेश और निकास को स्पष्ट संकेतों के साथ सावधानीपूर्वक नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- माता–पिता को अपने बच्चों को छोड़ने और लेने के लिए निजी वाहनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- स्कूल परिसर के अंदर किसी भी निजी वाहन की अनुमति नहीं दी जाए।
- स्कूल परिवहन का उपयोग करने वाले छात्रों को बैठने और उतरने के निर्देशों का पालन करना चाहिए।
- छात्रों को बसों में अपनी निर्धारित सीटों का ही प्रयोग करना चाहिए और सीटों का आदान–प्रदान नहीं करना चाहिए।
- स्कूल बसों में यात्रा करते समय खांसी संबंधी तौर तरीके, हाथों की स्वच्छता और शारीरिक दूरी के उपायों का पालन करना चाहिए। यात्रा करते समय (चाहे स्कूल या सार्वजनिक परिवहन में) जोर से बातें करने और यात्रा के दौरान खाने से बचना चाहिए)।
- अपने स्वयं के परिवहन का उपयोग करने वाले स्टाफ और छात्रों को पार्किंग स्थल में भीड़भाड़ से बचना चाहिए।
- बस बे (खण्ड) और पार्किंग में स्टाफ के सदस्यों और सुरक्षा को बढ़ाया जाना चाहिए।
- स्कूल बसों में ड्राइवर और यात्रियों के बीच उपयुक्त बैरियर लगाए जाने चाहिए। बस में सैनिटाइजर उपलब्ध कराया जाए और ड्राइवर को वाहन कीटाणुरहित करने का प्रशिक्षण दिया जाए।

हितधारकों के लिए सिफारिशें

इस बीमारी को फैलने से रोकने में हम सभी की भूमिका है। स्कूल के परिचालन में शामिल प्रत्येक हितधारक (स्टेकहोल्डर) को कोविड के संक्रमण की किसी भी और लहर को रोकने के लिए एकाग्रचित्त होना चाहिए। यदि परिवार के किसी सदस्य या निकट संपर्क के व्यक्ति में कोविड–19 का संक्रमण होने का संदेह है तो स्कूल को सूचित किया जाना चाहिए और भारत सरकार के प्रचलित दिशा–निर्देशों के आधार पर उपयुक्त प्रोटोकॉल्स का पालन किया जाना चाहिए।

स्कूलों को कोविड संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए समय–समय पर राज्य एवं स्थानीय निकायों द्वारा निर्दिष्ट नए प्रोटोकॉल्स और अन्य मानदंडों का पालन करना चाहिए।

माता-पिता

- माता–पिता को टीका लगवाने के लिए पूरी दृढ़ता से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- माता–पिता द्वारा बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी तौर तरीकों के पालन करने के लिए संवेदनशील बनाना और शिक्षित किया जाना चाहिए।
- अपने बच्चे की पोशाक एवं सामान को प्रतिदिन उच्च तापमान पर, ब्लीच–आधारित डिटर्जेंट पाउडर/तरल/साबुन का उपयोग करके, बिना कपड़ों को हिलाए साफ और सैनेटाइज़ करना चाहिए।
- यदि परिवार के किसी सदस्य या बच्चे के निकट संपर्क में आने वाले किसी व्यक्ति को कोविड–19 का संक्रमण होने का संदेह हो तो उसे अपने बच्चे को स्कूल नहीं भेजना चाहिए।
- अपने बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी करनी चाहिए।
- माता–पिता को बच्चे के स्कूल में जाते समय दिशा–निर्देशों का पालन करना चाहिए।
- जहां तक संभव हो, माता–पिता–शिक्षक की बैठकों में वर्चुअल या छोटे बैचों में भाग लेना चाहिए।

छात्र

- छात्रों को स्कूल परिसर में हमेशा मास्क पहनना चाहिए।
- अन्य छात्रों से शारीरिक दूरी बनाए रखनी चाहिए।
- बार–बार हाथ धोना चाहिए या नियमित रूप से हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करना चाहिए।
- एक साथ भोजन करने और भोजन साझा करने से बचना चाहिए।
- स्कूल से घर आने के तुरंत बाद स्नान/शॉवर से स्नान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- अपनी निजी पानी की बोतलें स्कूल ले जाना चाहिए।
- अन्य छात्रों के बीच बीमारी के किसी भी मामले की सूचना शिक्षकों को देनी चाहिए।

स्कूल प्रशासक

- स्कूल प्रशासकों को स्कूल परिसर के समय पर सैनिटाइजेशन के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी.) तैयार करनी चाहिए।
- छात्र के बीमार पड़ने पर क्या करना है, इसकी योजना बनानी चाहिए।
- यह सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ संपर्क करना चाहिए कि विनियामक मानदंडों का पालन किया जा रहा है और क्षेत्र में कोविड की स्थिति के बारे में अपडेटेड (अद्यतन) रहना चाहिए।
- स्कूल के स्टाफ और छात्रों के लिए नियमित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।
- स्कूल प्रशासकों को छात्रों की उपस्थिति रिकॉर्ड के बारे में पता होना चाहिए और लंबे समय तक अनुपस्थिति के कारण की जांच करना चाहिए, यदि कोई हो।
- माता–पिता को आश्वस्त करने के लिए जांच–सूची प्रदान करनी चाहिए कि स्कूल में क्रॉस–ट्रांसमिशन को रोकने के लिए सभी उपायों को सख्ती से लागू किया जा रहा है (संलग्नक देखें)।
- कोविड–19 की महामारी के संबंध में छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूल द्वारा अपनाए गए सभी उपायों के बारे में माता–पिता को समय–समय पर सूचित करना चाहिए।
- स्कूल में आने वाले किसी भी आगंतुक के प्रवेश संबंधी रिकॉर्ड को अप–टू–डेट (अद्यतन) रखना चाहिए।

स्कूल प्रशासक (जारी...)

- प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को कक्षाओं में शिक्षण सामग्री रख कर स्कूल बैग के दैनिक उपयोग से बचने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।
- पुराने छात्रों को जल–प्रतिरोधी बैग का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, जिन्हें जब भी आवश्यक हो, समुचित रूप से कीटाणुरहित किया जा सकता है।
- कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, टेस्टिंग, आइसोलेशन, डिसइंफेक्शन आदि जैसे सरकारी प्रोटोकॉल्स में पूरा सहयोग देना चाहिए।
- जहां भी संभव हो, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों की पहचान करनी चाहिए और उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक सामान, जैसे मास्क आदि की व्यवस्था में मदद करनी चाहिए।

शिक्षक

- शिक्षकों को पूरी तरह से टीके लगवाने चाहिए।
- हमेशा सैनिटाइजर की बोतल साथ रखना चाहिए।
- हमेशा सतर्क रहना चाहिए।
- आसपास और क्षेत्र में कोविड की स्थिति से अवगत रहना चाहिए।
- छात्रों के लिए मास्किंग, सोशल डिस्टेंसिंग, हाथों की स्वच्छता और कोविड–उपयुक्त व्यवहार के महत्व पर जोर देना चाहिए।
- कोविड–19 का मुकाबला करने के लिए स्कूल द्वारा किए गए उपायों के बारे में माता–पिता और छात्रों के साथ संवाद करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

गैर-शिक्षण और अन्य स्टाफ (ड्राइवर, चौकीदार, सुरक्षा गार्ड आदि)

- इन्हें पूरी तरह से टीके लगवाने चाहिए।
- हमेशा सैनिटाइजर की बोतल साथ रखना चाहिए।
- जहां तक हो सके, छात्रों के संपर्क से बचना चाहिए।
- कोविड संबंधी बुनियादी उपयुक्त व्यवहार में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।
- आसपास और क्षेत्र में कोविड की स्थिति से अवगत रहना चाहिए।
- स्कूल द्वारा कोविड–19 का मुकाबला करने के लिए किए गए उपायों के संबंध में अन्य हितधारकों के साथ संवाद करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

आगंतुक

- आगंतुकों (विजिटर्स) को पूर्व–निर्धारित मुलाकात के साथ ही परिसर में अनुमति दी जानी चाहिए।
- स्कूल में गैर–जरूरी यात्राओं से बचना चाहिए।
- अभिवादन के गैर–संपर्क वाले तरीकों को बढ़ावा देना चाहिए।
- हर समय मास्किंग सहित कोविड–उपयुक्त व्यवहार का मॉडल अपनाना चाहिए।
- आगंतुकों के समय का कड़ाई से पालन करना चाहिए।

स्कूल भवन में प्रवेश करने से पहले सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए कतार में खड़े छात्र ।

मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर ध्यान देना

कोविड–19 की महामारी और स्कूल बंद होने से बच्चों एवं किशोरों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक मनो–सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हुई हैं। उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए निम्नलिखित किया जा सकता है:

- उन नाबालिगों को मनो–सामाजिक सहायता प्रदान करना महत्वपूर्ण है, जो अत्यधिक असुरक्षित हैं और विभिन्न आर्थिक एवं सामाजिक तनावों से गुजर रहे हैं।
- टेली–सेवाओं या सोशल प्लेटफॉर्म्स के जरिए परिवारों और दोस्तों के साथ सामाजिक संपर्क बनाए रखने से तनाव कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- स्कूल प्राधिकारियों द्वारा छात्रों को परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त नोटिस दिया जाना चाहिए।
- माता–पिता और उनके परिवारों को बच्चों के साथ सम्प्रेषण बढ़ाना चाहिए, साथ में मिल कर खेल खेलने चाहिए और शारीरिक गतिविधि एवं संगीत को प्रोत्साहित करना चाहिए।
- स्वास्थ्यवर्धक एवं संतुलित आहार को बढ़ावा देना, मुंह संबंधी स्वास्थ्य को बनाए रखना, शारीरिक व्यायाम, समुचित आराम, थकान से बचना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना संक्रमण रोकने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के कुछ उपाय हैं।
- बच्चे को एक नियमित दिनचर्या का पालन करना चाहिए, जिसमें खेलने, पढ़ने, आराम करने और शारीरिक गतिविधि में सक्रियता के पर्याप्त अवसर हों।
- सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग या अन्य इंटरनेट उपयोग के अत्यधिक और गैर–जिम्मेदाराना उपयोग से बचना चाहिए।
- माता–पिता को स्क्रीन टाइम, स्वस्थ माहौल में नींद लेना, खाने की स्वास्थ्यकर आदतों और बच्चों के लिए व्यायाम की आवश्यकता पर परामर्श दिया जाना चाहिए।
- शिक्षकों को चर्चा करनी चाहिए कि अच्छा स्वास्थ्य क्या है और यह छात्रों के लिए कैसे महत्वपूर्ण है। वे गहरी सांस लेने, मांसपेशियों में ढील देना, मनबहलाव और सकारात्मक आत्म–चर्चा सहित सरल अभ्यास सिखाने में सहायता कर सकते हैं। कार्यशालाओं का आयोजन किया जा सकता है, जिनमें अधिक व्यावहारिक उदाहरणों का उपयोग करके तनाव–दाब (स्ट्रेस) से निपटने से संबंधित 'जीवन कौशल' पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है।
- शिक्षक बच्चों को सामाजिक व्यवहार के महत्व और दूसरों के प्रति तद्नुभूति (इम्पैथी) और धैर्य जैसे मानवीय गुणों के महत्व को समझा सकते हैं।
- शिक्षकों द्वारा छात्रों और उनके मानसिक स्वास्थ्य के बारे में प्रतिक्रिया के संबंध में माता–पिता के साथ ऑनलाइन या फोन के माध्यम से बातचीत की जानी चाहिए।
- परामर्शदाताओं सहित छात्रों की पहचान करने और उन्हें उपयुक्त स्वास्थ्य सेवा–प्रदाताओं के पास भेजने में शिक्षक एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य कर सकते हैं।
- समय–समय पर सम्प्रेषण के जरिए माता–पिता में विश्वास सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- स्कूल के शिक्षकों और अन्य स्टाफ को प्रशासन एवं अन्य विशेषज्ञों के साथ समय–समय पर बातचीत के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए, जो आत्मविश्वास सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं।
- जरूरत पड़ने पर पेशेवर मदद (प्रोफेशनल हेल्प) उपलब्ध कराई जाए।

बोर्डिंग स्कूलों के लिए अतिरिक्त उपाय

- बोर्डिंग को बैचवार फिर से शुरू किया जाए। छात्रों को प्रवेश देने से पहले समुचित स्क्रीनिंग (जांच) और क्वारान्टीन के उपायों का पालन किया जाना चाहिए।
- अलग बोर्डर (बोर्डिंग के लिए आए छात्र) के लिए अस्थायी विभाजन खड़ा किया जा सकता है। बिस्तरों के बीच पर्याप्त दूरी सुनिश्चित की जाए। जहां तक हो सके, छात्र अपने निर्धारित स्थान पर ही रहें।
- छात्रावासों में हर समय शारीरिक दूरी बनाए रखने का पालन करना होगा।
- प्रमुख स्थानों पर साइनेज लगाना चाहिए।
- छात्रों को शारीरिक दूरी बनाए रखने में सक्षम बनाने के लिए वैकल्पिक स्थानों की व्यवस्था की जा सकती है।
- जिन छात्रों के पास घर में कोई सहारा नहीं है और ऑनलाइन शिक्षा की कोई सुविधा नहीं है, उन्हें वापस छात्रावास में शामिल होने के लिए बुलाने को प्रारंभिक प्राथमिकता दी जाए।
- उच्च कक्षाओं के छात्रों को विद्यालय की आवास सुविधा के अनुसार पहले बुलाया जा सकता है।
- छात्रावास में दुबारा शामिल होने से पहले प्रत्येक बोर्डर की स्क्रीनिंग की जानी चाहिए। केवल ऐसिम्प्टमैटिक बोर्डर्स (लक्षणरहित आगंतुक छात्र) को शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए।
- चूंकि छात्र सार्वजनिक परिवहन, जैसे– बसों, ट्रेनों आदि का उपयोग करके विभिन्न स्थानों से आ रहे हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वे छात्रावास में आने पर दूसरों के साथ अपने संपर्क और बातचीत को कम करें और राज्य / केंद्रशासित प्रदेश की आवश्यकताओं के अनुसार प्रभावी ढंग से क्वारान्टीन बनाए रखें। इस अवधि के दौरान उनके स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी की जानी चाहिए।
- एक परामर्शदाता या शिक्षक को छात्रों के किसी भी मानसिक या भावनात्मक स्वास्थ्य के मुद्दे की देखभाल के लिए उनके यहां नियमित रूप से जाना चाहिए।
- ज्ञात स्वास्थ्य स्थिति वाले आवश्यक स्टाफ को छोड़ कर सभी व्यक्तियों के लिए छात्रावास में आगमन बंद रखा जाना चाहिए।
- छात्रों, कर्मचारियों और स्टाफ के परिवारों के लिए भोजन का समय अलग–अलग होना चाहिए।
- शारीरिक रूप से उपस्थिति वाली अचानक आयोजित बैठकों और सामाजिक मेलजोल से बचना चाहिए।
- जगह–जगह डिस्टेंसिंग प्रोटोकॉल्स के साथ बैठने की व्यवस्था होनी चाहिए। उपयोग में आने वाली सीटें एक दूसरे के सामने नहीं होनी चाहिए।
- सभी कर्मचारियों को पूरी तरह से टीके लगाए जाने चाहिए।
- हाथ धोने के लिए पर्याप्त संख्या में हाथ धोने के निर्दिष्ट स्थान (हैंड–वाशिंग स्टेशंस) स्थापित किए जाने चाहिए।
- इन–हाउस भोजन की तैयारी पर निर्भरता बढ़ाई जानी चाहिए।
- स्वच्छता बनाए रखने को सुनिश्चित करने के लिए विज़िटिंग चिकित्सा दल सप्ताह में कम से कम एक बार रसोई और मेस का निरीक्षण कर सकते हैं।
- बोर्डर्स के लिए छात्रावास के स्टाफ का क्षमता निर्माण शारीरिक दूरी के मानदंडों, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन आदि मामलों में किया जाना चाहिए।
- कॉल पर इन–हाउस नर्स और इन–हाउस डॉक्टर रखना बेहतर होगा।
- छात्रों को स्वास्थ्य संबंधी छोटी–मोटी शिकायतों को भी रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- स्कूल द्वारा बोर्डर और अन्य स्टाफ की आपातकालीन एवं नियमित देखभाल दोनों के लिए एक स्थानीय अस्पताल के साथ एक औपचारिक व्यवस्था करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों की सेवा करने वाले स्कूल

- ब्ऑटिज्म (स्वलीनता), अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, सेरेब्रल पाल्सी (प्रमस्तिष्क पक्षाघात), सीखने में अक्षमता, विकास संबंधी देरी एवं अन्य व्यवहारिक और भावनात्मक कठिनाइयों सहित विशेष जरूरतों वाले बच्चों को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है।
- इन बच्चों की तंदुरुस्ती सुनिश्चित करने के लिए माता–पिता, शिक्षकों और देखभाल करने वालों को संवेदनशील बनाना महत्वपूर्ण है।
- शारीरिक शिक्षा के दौरान, इन बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि वे कोविड–19 के संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।
- अधिक जानकारी A Guide to Parents of Specially Abled Children और Guidelines for the Development of e&Content for Children with Disabilities से ली जा सकती है।

14 वर्षीय मनीषा ने 2020 में कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान बिजली की चोट के बाद अपना दाहिना हाथ खो दिया था। वह अपने बाएं हाथ से लिखना सीख रही है ताकि वह अपनी शिक्षा जारी रख सके और आई.ए.एस. अधिकारी बनने का अपना सपना पूरा कर सके।

अनुलग्नक I

स्कूल प्रशासकों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के लिए जांच–सूची

	कार्य	हां / नहीं
1	छात्रों और कर्मचारियों को व्यक्तिगत स्वच्छता के अच्छे तौर तरीकों और हाथ धोने की समुचित तकनीक के बारे में संवेदनशील बनाया गया है।	
2	स्वच्छता संबंधी स्वस्थ तौर तरीकों के बारे में स्कूल के प्रमुख स्थानों, जैसे– कक्षाओं, गलियारों, वॉशरूम, स्वागत क्षेत्र आदि पर साइनेज प्रदर्शित किए गए हैं।	
3	लड़कियों और लड़कों के लिए पर्याप्त एवं साफ–सुथरे अलग–अलग शौचालय हैं।	
4	साबुन और स्वच्छ पानी उम्र के हिसाब से हाथ धोने वाले स्टेशनों पर उपलब्ध हैं।	
5	स्कूल में डिजिटल थर्मामीटर, कीटाणुनाशक, साबुन, हैंड सैनिटाइज़र, मास्क आदि जैसी प्रमुख आपूर्तियां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।	
6	स्वास्थ्य और स्वच्छता की सीख दैनिक शिक्षण में एकीकृत की जाती हैं।	
7	स्कूल की इमारत, कक्षाएं, किचन, पानी और स्वच्छता सुविधाएं, स्कूल परिवहन सुविधाएं, सतहें जिन्हें कई लोग छूते (डेस्क, रेलिंग, दरवाज़े के हैंडल, स्विच, लंच टेबल, खेल उपकरण, खिड़की के हैंडल, खिलौने, शिक्षण शिक्षण सामग्री आदि) हैं, को दिन में कम से कम एक बार साफ और कीटाणुरहित किया जाता है।	
8	स्कूल में पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारी हैं।	
9	स्कूल परिसर में पर्याप्त वायु प्रवाह और वेंटिलेशन (हवा की आवाजाही) है।	
10	स्कूल में सभी कर्मचारियों और छात्रों की नियमित स्वास्थ्य जांच की जाती है।	
11	दैनिक रूप से कचरा हटाने और सुरक्षित निपटान की व्यवस्था है।	
12	स्कूल में एक पूर्णकालिक नर्स या डॉक्टर और परामर्शदाता उपलब्ध है।	
13	आपात स्थिति के लिए स्कूल की नजदीकी अस्पताल के साथ व्यवस्था का समझौता है।	
14	स्कूल में भीड़भाड़ वाली स्थिति से बचने की व्यवस्था की गई है।	
15	छात्र और डेस्क के बीच पर्याप्त जगह बनाई गई है।	

अनुलग्नक II

छात्रों के लिए जांच–सूची

कार्य	हां / नहीं
1 दूसरों के साथ बातचीत करके एवं साझा करके तनावपूर्ण स्थितियों से बचें एवं खुद और अपने स्कूल को सुरक्षित और स्वस्थ रखने में मदद करें।	
2 निम्नलिखित द्वारा अपनी और दूसरों की रक्षा करें: ● हमेशा साबुन और स्वच्छ पानी से, कम से कम 40 सेकंड तक बार–बार हाथ धोना। ● चेहरे को नहीं छूना। ● कप, खाने के बर्तन, भोजन या पेय दूसरों के साथ साझा न करना।	
3 अपने आपको, अपने स्कूल, परिवार और समुदाय को स्वस्थ रखने में एक मार्गदर्शक के रूप में निम्नलिखित कार्य करें: ● बीमारी से बचाव के बारे में आपने जो सीखा है, उसे अपने परिवार और दोस्तों, खासकर छोटे बच्चों के साथ साझा करना। ● अपनी कोहनी पर छींकने या खांसने और अपने हाथ धोने, जैसे– आदर्श अच्छे तौर तरीके करें, खासकर परिवार के युवा सदस्यों के लिए।	
4 बीमार होने के बारे में अपने साथियों को लांछित न करें या किसी को न चिढ़ाएं।	
5 अगर आप बीमार महसूस करते हैं तो अपने माता–पिता, परिवार के किसी अन्य सदस्य या देखभाल करने वाले को बताएं और घर पर ही रहें।	

अनुलग्नक III

माता-पिता और सामुदायिक सदस्यों के लिए जांच-सूची

कार्य		हां / नहीं
1	अपने बच्चे के स्वास्थ्य की नियमित रूप से निगरानी करें।	
2	अपने बच्चे को घर पर रखें, यदि वह बीमार है या कोई विशिष्ट चिकित्सा स्थिति है, जो उन्हें अधिक जोखिम में डाल सकती है।	
3	घर पर स्वच्छता के आदर्श अच्छे तौर तरीके सिखाएं और उनके मुताबिक उन्हें ढालें। • अपने हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोएं या कम से कम 70 प्रतिशत अल्कोहल वाले अल्कोहल-आधारित हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करें। • सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। • घर में स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय सुनिश्चित करें। • कचरे का सुरक्षित संग्रहण, भंडारण और निपटान सुनिश्चित करें। • एक ऊतक पेपर पर या अपनी कोहनी में खांसें एवं छींकें और अपने चेहरे, आंख, मुंह और नाक को छूने से बचें।	
4	विभिन्न माध्यमों से अपने बच्चे की भावनात्मक सुरक्षा सुनिश्चित करें।	
5	तथ्यों का उपयोग करके लांछन को रोकें और अपने बच्चों को एक-दूसरे का ख्याल रखना सिखाएं।	
6	जानकारी पाने के लिए स्कूल के साथ समन्वय करें।	
7	स्कूल की सुरक्षा के प्रयासों की मजबूती के लिए स्कूल को सहायता प्रदान करें।	

विशेषज्ञ समिति

अध्यक्ष

डॉ. शकीला शम्सू
पूर्व ओ.एस.डी. (नई शिक्षा नीति), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, भारत के सचिव, पूर्व मसौदा समिति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति

डॉ एलेक्जेंडर थॉमस
प्रेसिडेन्ट, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स – इंडिया (ए.एच.पी.आई.)
प्रेसिडेन्ट, एसोसिएशन ऑफ नेशनल बोर्ड एक्रिडिटेड इंस्टीट्यूशंस (ए.एन.बी.ए.आई.)
संयोजक, चिकित्सा शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति

सलाहकार

डॉ. गिरधर ज्ञानी
महानिदेशक, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स – इंडिया (ए.एच.पी.आई.)
पूर्व महासचिव, भारतीय गुणवत्ता परिषद (शिक्षा सहित)

श्री हरिप्रसाद हेगड़े
सीनियर वाइस प्रेसिडेन्ड एंड ग्लोबल हेड ऑफ ऑपरेशंस, विप्रो लिमिटेड

श्री प्रभात जैन
संस्थापक अध्यक्ष और सदस्य, शासी निकाय, फिक्की एलायंस फॉर री–इमेजिनिंग स्कूल एजुकेशन (फिक्की एराइज)
सह–संस्थापक, पाथवेज स्कूल्स

समन्वयक

डॉ. वी.सी. शन्मुगानन्दन
सलाहकार, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स दृ इंडिया (ए.एच.पी.आई.)
पूर्व अतिरिक्त निदेशक, सी.जी.एच.एस., भारत सरकार

ग्रुप लीड्स

डॉ. गिरिधर आर. बाबू
प्रोफेसर और अध्यक्ष, लाइफ कोर्स एपिडेमियोलॉजी, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पी.एच.एफ.आई.)
सदस्य, कोविड तकनीकी सलाहकार समिति, कर्नाटक सरकार
(epigiridhar@gmail-com)

डॉ रितेश सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), कल्याणी, पश्चिम बंगाल
(ritesh-cmfm@aiimskalyani-edu-in] drriteshsingh@yahoo-com)

सदस्य

डॉ. ग्लोरी एलेक्जेंडर
संस्थापक और निदेशक, आशा फाउंडेशन, बेंगलुरु, लेखक, अनमोल आशाएं, एक किशोर स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम है, जो पूरे भारत में 13–16 वर्ष की आयु के 2,50,000 से अधिक छात्रों को प्रदान किया गया है।
(leÛglory11@gmail-com)

डॉ. एस. बालसुब्रमण्यम
चिकित्सा निदेशक और अध्यक्ष, बाल रोग विभाग, कांची कामकोटि चाइल्ड्स (सी.एच.आई.एल.डी.एस.) ट्रस्ट अस्पताल, चेन्नई
(sbsped@gmail-com)

डॉ. अनीता भल्ला
प्रिन्सिपल (प्राचार्य), भारतीय विद्या भवन, सोहन लाल पब्लिक स्कूल, अमृतसर
(nitaarorabhalla@ymail-com)

विशेषज्ञ समिति

सदस्य

डॉ कल्पना दत्ता
बाल रोग की प्रोफेसर, निदेशक, पीडिएट्रिक्स सेंटर ऑफ एच.आई.वी. केयर, मेडिकल कॉलेज, कोलकाता।
एम.डी., डी.सी.एच. और डी.एन.बी. के लिए मान्यता–प्राप्त शिक्षक
(drkalpanadatta@gmail-com)

डॉ. सुनीला गर्ग
प्रोफेसर ऑफ एक्सिलेंस (सामुदायिक चिकित्सा), मौलाना आजाद
मेडिकल कॉलेज और एसोसिएटेड अस्पताल, नई दिल्ली
नेशनल प्रेसिडेन्ट, आई.ए.पी.एस.एम. और ओर्गेनाइज्ड मेडिसिन एकेडेमिक गिल्ड
(gargsuneela@gmail-com)

सुश्री अनसूया मिश्रा
प्रधानाध्यापिका , गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल, ओडिशा
(nasuyamishra07063@gmail-com)

सुश्री दिव्या राचेल एलेक्जेंडर
सलाहकार, स्वास्थ्य और सार्वजनिक नीति शोध
लेखक, अनमोल आशाएं, एक किशोर स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम, जो पूरे भारत में 13–16 वर्ष की आयु के 250,000 से अधिक छात्रों को प्रदान किया गया है।
(divya-aleÛander@gmail-com)

डॉ प्रिसिला रूपाली
प्रोफेसर, संक्रामक रोग विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर
इंटरनेशनल ऐम्बेसैडर फोर सोसाइटी फॉर हेल्थ केयर एपिडेमियोलॉजी ऑफ अमेरिका (prisci@cmcvellore-ac-in] prisci@cmcvellore-ac-in)

डॉ दिव्याश्री एस.
सलाहकार, संक्रामक रोग, एम.जी.एम. न्यू बॉम्बे अस्पताल, वाशी
(doc-divyashree@gmail-com)

श्रीमती सुनीता एस. राव
प्रिन्सिपल (प्राचार्य), दिल्ली पब्लिक स्कूल, नचाराम, सिकंदराबाद
(principal@dpssecunderabad-in)

डॉ अनुपम सचदेवा
निदेशक, पीडिएट्रिक हिमैटोलॉजी ऑन्कोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन,
बाल स्वास्थ्य संस्थान, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली
(nupamace@yahoo-co-in)

ब्रि. तुरीचैतन्य संदीपन महाराज
प्रधानाध्यापक, रामकृष्ण मिशन विद्यालय, नरेंद्रपुर, कोलकाता
(rkmvnarendrapur@gmail-com)

श्री अवनीन्द्र सिंह
प्रिन्सिपल (प्राचार्य), एस एस +2 हाई स्कूल, चिलदाग, रांची
(awindra2210@gmail-com)

डॉ संजीव के. सिंह
संक्रामक रोग विशेषज्ञ, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, दिल्ली और
चिकित्सा निदेशक, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, दिल्ली
(sanjeevksingh@aims-amrita-edu)

विशेषज्ञ समिति

समीक्षक

डॉ. शिष्टा बसु
वरिष्ठ निदेशक और अध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग और बांझपन विभाग, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, दिल्ली

श्रीमती जी. ज्योति
शिक्षक, सिकंदराबाद

श्रीमती के. रेणुका राजू
अध्यक्ष / प्रबंध निदेशक / कॉरेसपोन्डेन्ट, लोटस नेशनल स्कूल्स (चार सी.बी.एस.ई. स्कूल), तेलंगाना

डॉ नरेश शेट्टी
प्रेसिडेन्ट, क्यूस हेल्थकेयर, बैंगलोर
फोर्मर प्रेजिडेन्ट, रमैया मेमोरियल हॉस्पीटल एंड इंटरनेशनल प्रोग्राम

डॉ. अर्चना सुराणा
प्रबंध न्यासी, सुराणा शैक्षिक संस्थान; प्री–प्राइमरी, प्राइमरी, हाई स्कूल (सी.बी.एस.ई.), पी.यू.सी. कॉलेजेज, डिग्री कॉलेजेज, पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेजेज और रिसर्च सेंटर्स सहित 9 शैक्षणिक संस्थानों का प्रबंधन किया।

डॉ. जकारिया के.ए.
प्रोफेसर और निदेशक, डी.डी.यू. कौशल केंद्र, कोच्चि यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी,
अध्यक्ष, कोच्चि चैप्टर ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट के अध्यक्ष

हम यह दस्तावेज़ तैयार करने में निम्नलिखित व्यक्तियों की सहायता के लिए आभारी हैं : **सुश्री डेज़ी ए. जॉन,** रिसर्च असिस्टेंट, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया; **श्री एंटनी जॉर्ज,** सहायक निदेशक, ए.एच.पी.आई.; **श्री जेराल्ड जेम्स,** एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट, ए.एच.पी.आई.; और **श्री प्रत्यूष गुप्ता,** डॉक्यूमेंट डिजाइन; **सुश्री दिव्या राचेल एलेक्जेंडर** ने दस्तावेज़ का संपादन किया।

संदर्भ–सामग्री

1. UNICEF (2021). UNICEF India Covid-19 Press Release. Available at https://www.unicef.org/india/press-releases/covid-19-schools-more-168-million-children-globally-have-been-completely-closed_

2. UNESCO (2021) Adverse Consequences of School Closures. Available at https://en.unesco.org/covid19/educationresponse/consequences

3. Hoffman JA, Miller EA (2020). Addressing the Consequences of School Closure due to COVID-19 on Children's Physical and Mental Well-being. World Med Health Policy 2020;12:300-10.

4. Jenssen BP, Kelly MK, Powell M, Bouchelle Z, Mayne SL, Fiks AG (2021). COVID-19 and Changes in Child Obesity. Pediatrics 2021;147:e2021050123.

5. Wang J, Li Y, Musch DC, et al (2021). Progression of Myopia in School-aged Children after COVID-19 Home Confinement. JAMA Ophthalmol 2021;139:293-300.

6. MWCD (2020). Annual Report 2020-2021. Available at https://wcd.nic.in/sites/default/files/WCD_AR_English%20final_.pdf

7. MoHFW (2020). Guidelines on Disinfection of Common Public Places. Available at https://www.mohfw.gov.in/pdf/Guidelinesondisinfectionofcommonpublicplacesincludingoffices.pdf

8. Leidman E, Duca LM, Omura JD, et al (2021). COVID-19 Trends Among Persons Aged 0-24 Years – United States, March 1-December 12, 2020. MMWR Morb Mortal Wkly Rep 2021;70(3):88-94. doi:10.15585/mmwr.mm7003e1

9. Ismail SA, Saliba V, Lopez Bernal J, et al (2021). SARS-CoV-2 Infection and Transmission in Educational Settings: a Prospective, Cross-sectional Analysis of Infection Clusters and Outbreaks in England. Lancet Infect Dis 2021;21(3):344-353. doi:10.1016/s1473-3099(20)30882-3

10. Gandini S, Rainisio M, Iannuzzo ML, et al (2021). A Cross-Sectional and Prospective Cohort Study of the Role of Schools in the SARS-CoV-2 Second Wave in Italy. Lancet Reg Health Eur 2021;5:100092. doi:10.1016/j.lanepe.2021.100092

11. Mossong J, Mombaerts L, Veiber L, et al (2021). SARS-CoV-2 Transmission in Educational Settings during an Early Summer Epidemic Wave in Luxembourg, 2020. BMC Infect Dis 2021;21(1):417. doi:10.1186/s12879-021-06089-5

12. CMI Brief (2020). Impacts of School Closures on Children in Developing Countries: Can We Learn Something from the Past? Available at https://www.cmi.no/publications/7214-impacts-of-school-closures-on-children-in-developing-countries-can-we-learn-something-from-the-past

13. Larsen, L., Helland, M.S. & Holt, T (2021). The Impact of School Closure and Social Isolation on Children in Vulnerable Families during COVID-19: a Focus on Children's Reactions. Eur Child Adolesc Psychiatry. https://doi.org/10.1007/s00787-021-01758-x

14. Singh S, Roy D, Sinha K, Parveen S, Sharma G, Joshi G (2020). Impact of COVID-19 and Lockdown on Mental Health of Children and Adolescents: A Narrative Review with Recommendations. Psychiatry Res. 2020;293:113429. doi:10.1016/j.psychres.2020.113429.

15. WHO. (2020b). WHO | COVID-19: Resources for Adolescents and Youth. WHO; World Health Organ. http://www.who.int/maternal_child_adolescent/links/covid-19-mncah-resources-adolescents-and-youth/en/.

16. Shen K., Yang Y., Wang T., Zhao D., Jiang Y., Jin R., Zheng Y., Xu B., Xie Z., Lin L., Shang Y., Lu X., Shu S., Bai Y., Deng J., Lu M., Ye L., Wang X., Wang Y. Diagnosis, Treatment, And Prevention Of 2019 Novel Coronavirus Infection In Children: Experts' Consensus Statement. World Journal of Pediatrics : WJP; 2020. Global Pediatric Pulmonology Alliance; pp. 1–9.

17. CDC (2019). Data and Statistics on Children's Mental Health | CDC. Centers Dis. Control Prevent. 2019 https://www.cdc.gov/childrensmentalhealth/data.html.

18. UNICEF. (2020a). Children with Autism and COVID-19. Available at https://www.unicef.org/serbia/en/children-autism-and-covid-19

19. Bhat R., Singh V.K., Naik N., Kamath C., R, Mulimani P, Kulkarni N. (2020) COVID 2019 Outbreak: the Disappointment in Indian Teachers. Asian J. Psychiatry. 2020 doi: 10.1016/j.ajp.2020.102047

20. Cooper, K. (2020). Don't Let Children be the Hidden Victims of COVID-19 Pandemic. Available at https://www.unicef.org/press-releases/dont-let-children-be-hidden-victims-covid-19-pandemic.

21. Dalton L., Rapa E., Stein A. (2020). Protecting the Psychological Health of Children through Effective Communication about COVID-19. Lancet Child Adolesc. Health. 2020;4(5):346–347. doi: 10.1016/S2352-4642(20)30097-3.

22. Holmes E.A., O'Connor R.C., Perry V.H., Tracey I., Wessely S., Arseneault L., Ballard C., Christensen H., Cohen Silver R, Everall I, Ford T, John A, Kabir T, King K, Madan I, Michie S, Przybylski A.K, Shafran R., Sweeney A....Bullmore E. (2020). Multidisciplinary Research Priorities for the COVID-19 Pandemic: A Call for Action for Mental Health Science. Lancet. Psychiatry, S2215-0366(20)30168-1. 2020 doi: 10.1016/S2215-0366(20)30168-1.

23. Jiao W.Y., Wang L.N., Liu J., Fang S.F., Jiao F.Y., Pettoello-Mantovani M., Somekh E. (2020) Behavioral and Emotional Disorders in Children during the COVID-19 Epidemic. J. Pediatr., S0022-3476(20)30336-X. 2020 doi: 10.1016/j.jpeds.2020.03.013. PubMed.

संदर्भ–सामग्री

24. Lee J. Mental health effects of school closures during COVID-19. Lancet. Child Adolesc. Health, S2352-4642(20)30109-7. 2020 doi: 10.1016/S2352-4642(20)30109-7.

25. Clark, H. et al (2020). A Future for the World's Children? A WHO-UNICEF-Lancet Commission. Lancet 395(10224):605–658.

26. OECD Policy Responses to Coronavirus (COVID-19). Education and COVID-19: Focusing on the Long-term Impact of School Closures. https://www.oecd.org/coronavirus/policy-responses/education-and-covid-19-focusing-on-the-long-term-impact-of-school-closures-2cea926e.

27. Jonas Vlachos, Edvin Hertegård, Helena B. Svaleryd (2021). The Effects of School Closures on SARS-CoV-2 among Parents and Teachers. Proceedings of the National Academy of Sciences Mar 2021, 118 (9) e2020834118; DOI: 10.1073/pnas.2020834118.

28. Alban Conto, Maria Carolina; Akseer, Spogmai; Dreesen, Thomas; Kamei, Akito; Mizunoya, Suguru; Rigole, Annika (2020). COVID-19: Effects of School Closures on Foundational Skills and Promising Practices for Monitoring and Mitigating Learning Loss, Innocenti Working Papers no. 2020-13, UNICEF Office of Research - Innocenti, Florence.

29. Narmada S, Somasundaram (2020) Preparedness for Reopening and Conducting Schools During and Post COVID-19 period. Indian Journal of Practical Pediatrics 2020, 22(2):217.

30. Willyard C (2021). COVID and Schools: the Evidence for Reopening Safely. Nature 2021, 595(7866):164-167.

31. Carvalho S, Rossiter J, Angrist N, Hares S, Silverman R (2020). Planning for School Reopening and Recovery after COVID-19. An Evidence Kit for Policymakers, Centre for Global Development 2020.

32. Gurdasani D, Alwan NA, Greenhalgh T, Hyde Z, Johnson L, McKee M, Michie S, Prather KA, Rasmussen SD, Reicher S: School Reopening Without Robust COVID-19 Mitigation Risks Accelerating the Pandemic. The Lancet 2021, 397(10280):1177-1178.

33. Water, Sanitation and Hygiene (WASH) Safe Water, Toilets and Good Hygiene Keep Children Alive and Healthy. Available at https://www.unicef.org/wash

34. IAP (2020). INDIAN PEDIATRICS 1 OCTOBER 12, 2020. Indian Academy of Pediatrics Guidelines on School Reopening, Remote Learning and Curriculum in and After the COVID-19 Pandemic.

AHPI
ASSOCIATION OF
HEALTHCARE
PROVIDERS
INDIA

GCCMC
Enabled by Wipro